ISSN 2582-8606

अर्द्धवार्षिक पत्रिका

फिरकी बच्चों की

Firkee Bachchon Ki

वर्ष 6 अंक 1 जनवरी-जून 2024

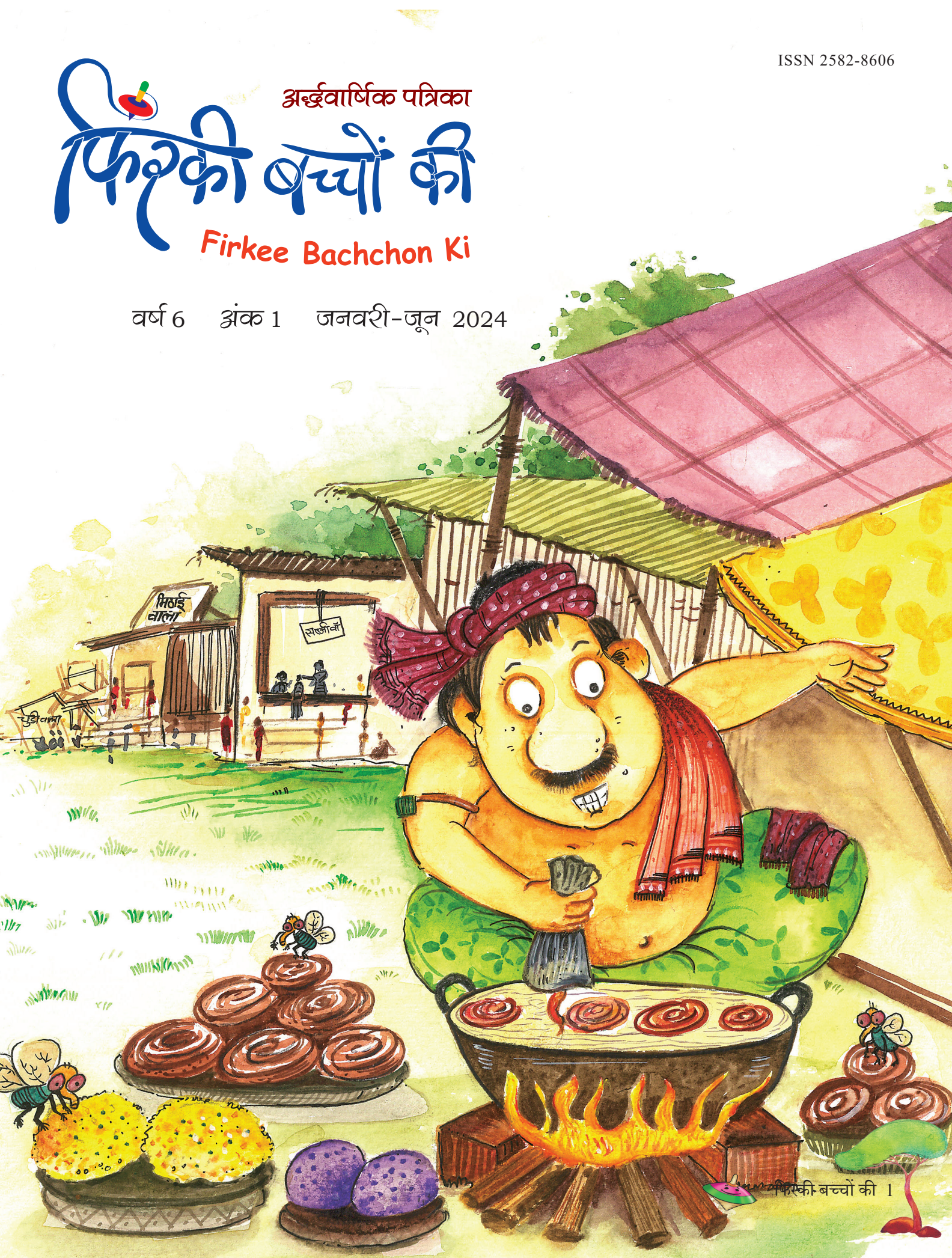

रोटी

थप-थप थपकी,
गोल-गोल घूमे,
माँ की रोटी,
तवे पे झूमे।

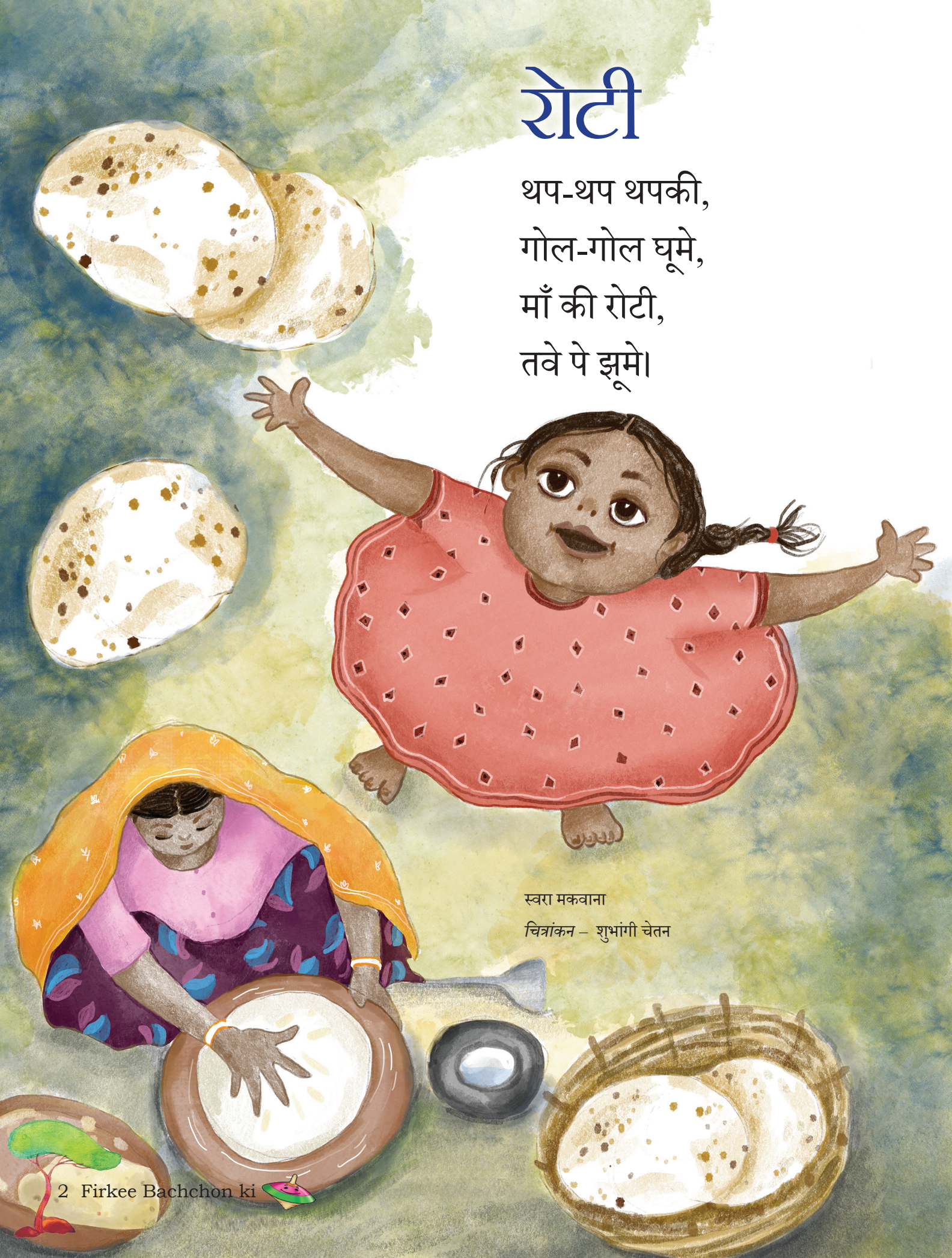

स्वरा मकवाना

चित्रांकन – शुभांगी चेतन

इस अंक में

रोटी 2

राशि का चित्र 5

The Squirrels 6

कुछ हम लिखें कुछ तुम लिखो 8

चींटी और पहाड़ 9

इस घर में कौन रहता है? 10

बीचों-बीच 12

चप्पल का सफ़र 14

खोजो 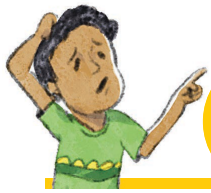 16

रिक्शेवाला 18

जमुनी जमुनी 19

दस चींटियाँ 20

The Lion and the Mouse 21

चिड़िया और बच्चे 22

देखो, मैंने क्या बनाया! 23

मक्खी 24

सुनीता

चित्रांकन – सुनीता

राशि का चित्र

एक दिन खेत में घूमते-घूमते राशि ने कुछ आवाज़ें सुनीं।
आवाज़ें पेड़ से आ रही थीं।
राशि झटपट पेड़ पर चढ़ गई। पेड़ पर एक घोंसला था।
घोंसले में चिड़िया के बच्चे थे। वे ही बोल रहे थे।
राशि भी उनसे बोलने लगी।
हिरन भी उनकी बातें सुनने पेड़ के नीचे आ बैठा।
मोर भी खेतों से उड़कर पेड़ पर आ बैठा।
कुछ समय बाद चिड़िया के बच्चे बड़े हो गए।
उनके पंख निकल आए। वे अब उड़ने लगे।
एक दिन वे आकाश में बहुत ऊपर उड़ गए। राशि
देखती ही रही।
उनके पंख बड़े होते गए। इतने बड़े, इतने बड़े कि
राशि उनकी छाया में बैठती और उनके चित्र बनाती।

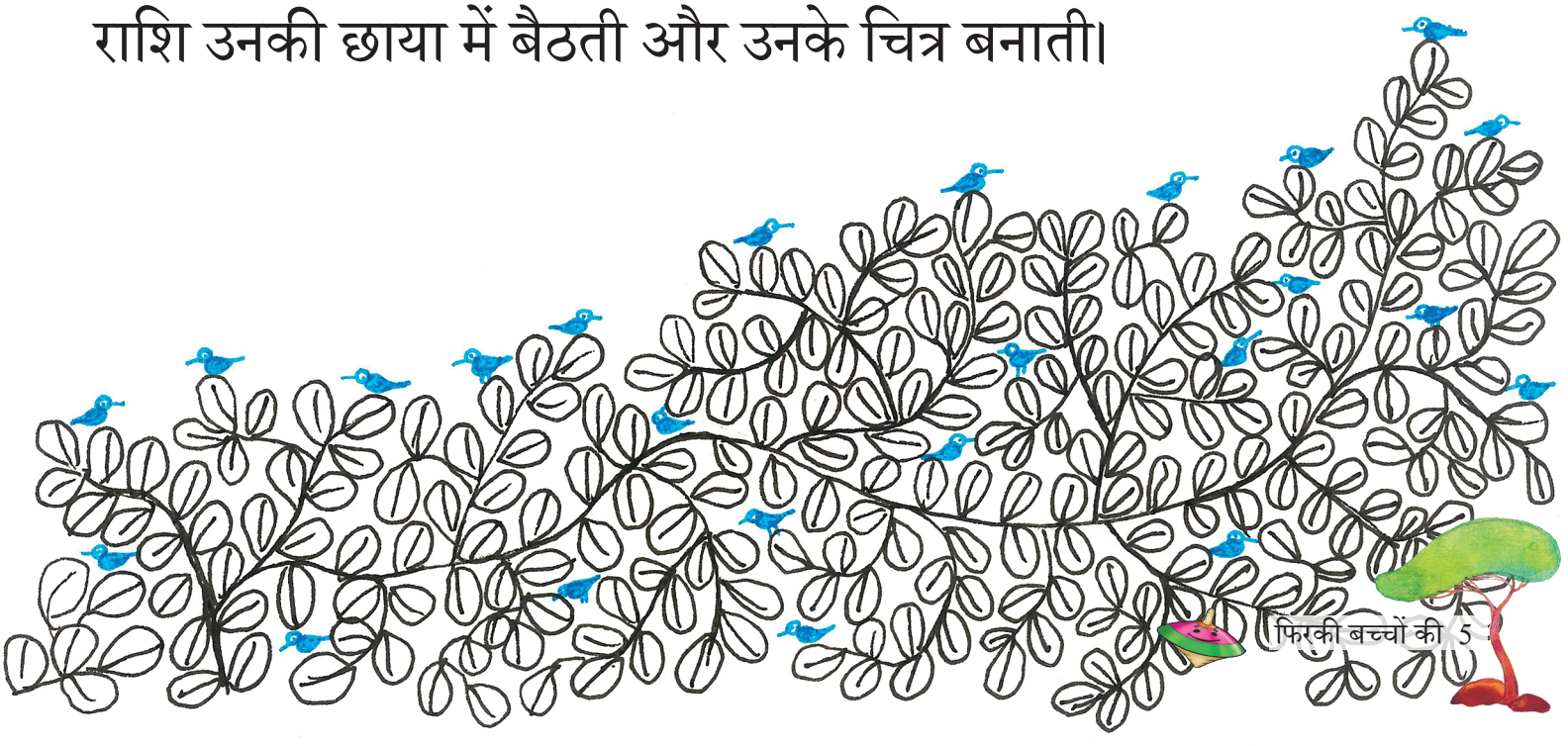

The Squirrels

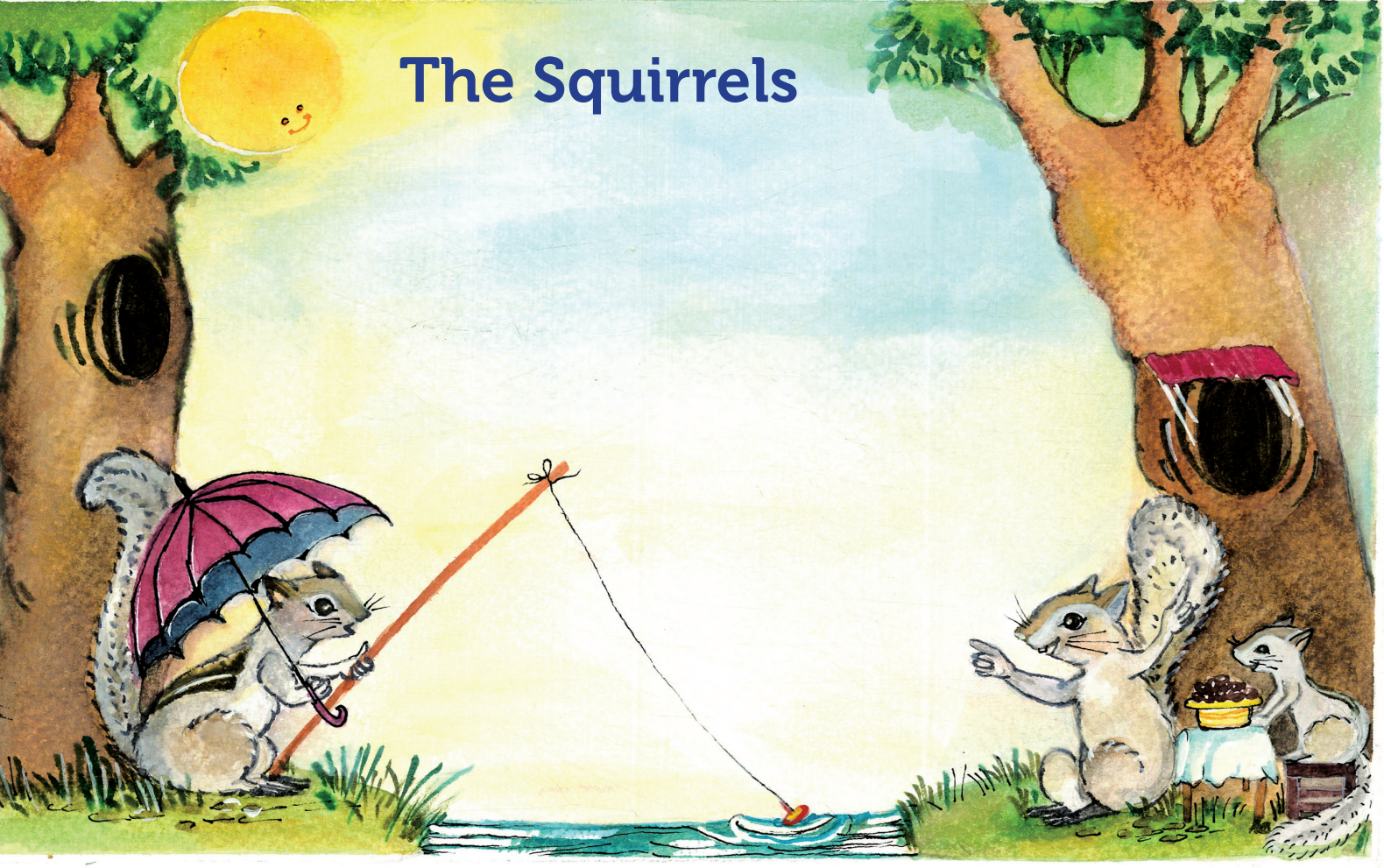

चित्रांकन – बंदना भौमिक

कुछ हम लिखें
कुछ तुम लिखो

Bright

Full Moon Night

Look up
It is a full moon night
Look down
Mosquitoes take a ___
Look right
Fireflies glow ___
Look left
Cheenu sleeps ___

Bite

Tight

Jaishree Sethi

Illustration — Simran Kaur

चींटी और पहाड़

चींटी ने पहाड़ से कहा, “रास्ते से हट जा।”
पहाड़ बोला, “नहीं हटूँगा, तुम क्या कर लोगी?”
तब चींटी ने पुलिस को खबर कर दी।

श्रेया प्रियदर्शिनी नाथ
कक्षा 4
केंद्रीय विद्यालय,
एनसीईआरटी कैंपस, दिल्ली

चित्रांकन – सानिका देशपांडे

इस घर में कौन रहता है?

अम्माँ, पापा, भैया, मैं,
कहने को हम टोटल चार हैं।
चूहा-चुहिया, बच्चे तीन,
करते हमसे कितना प्यार हैं!
एक छिपकली, दो मेंढक हैं,
और चींटियों की कतार है।

पाँच कॉकरोच, छह मकड़ी,
मक्खी आती बार-बार है!
मच्छर हैं एक सौ पाँच और
साँप तो अपना सुपरस्टार है।
इस घर में कुल चार नहीं,
देखो तो रहते कई हज़ार हैं।

नेहा सिंह

चित्रांकन – सेफी जॉर्ज

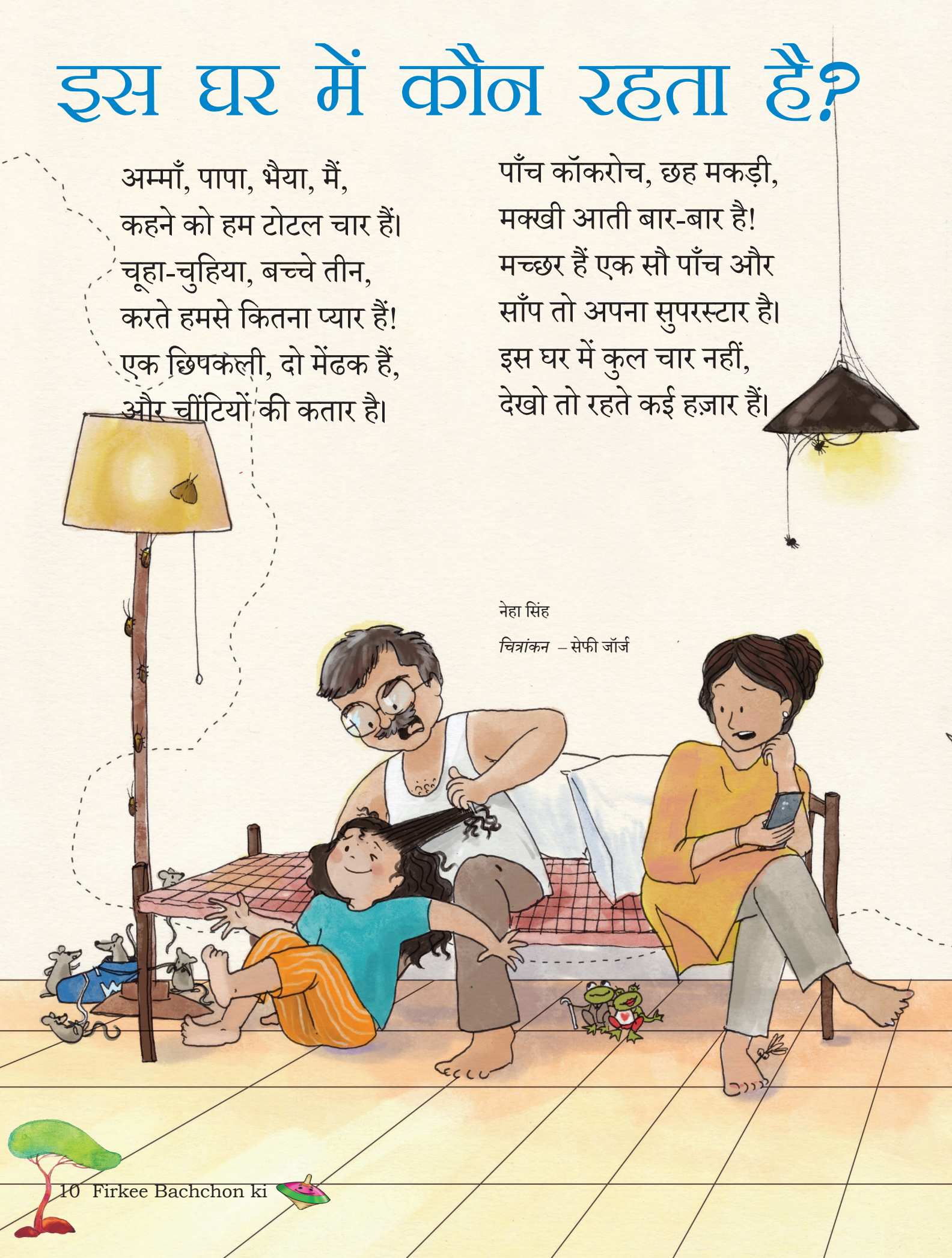

बीचों-बीच

चित्रांकन – राधेश्याम खैरवार

चप्पल का सफ़र

अम्माँ मंदिर गईं। उन्होंने चप्पल बाहर उतारी थी। एक आदमी की ठोकर चप्पल पर लगी और अम्माँ की एक चप्पल नाली में गिर गई। चप्पल बहते-बहते फूलवाले के पास जाकर रुक गई। फूलवाले ने चप्पल को धोकर उस पर अपनी टोकरी टिका ली। थोड़ी देर बाद फूलवाला अपनी टोकरी सजाकर मंदिर की ओर चल पड़ा। वहीं सीढ़ियों के पास अम्माँ की दूसरी चप्पल पड़ी हुई थी। जोड़ीदार चप्पल उसे फिर से देखकर खुश हो गई।

प्राची
कक्षा 5
केंद्रीय विद्यालय,
एनसीईआरटी कैंपस, दिल्ली

चित्रांकन – रोहित शुक्ला

खोजो
किताबों के बीच खिलौने खोजो।

चित्रांकन – हबीब अली

रिक्शेवाला

स्टेशन से घर गलियों तक,
सफ़र सभी का हो गया।
देर रात को रिक्शेवाला,
रिक्शे पर ही सो गया।

प्रभात

चित्रांकन – शशि शेट्ये

जमुनी जमुनी

जमुनी जमुनी,
हो गए गाल।
गुड़िया ने खाए,
बुढ़िया के बाल।

श्याम सुशील

चित्रांकन – उमा मजुमदार

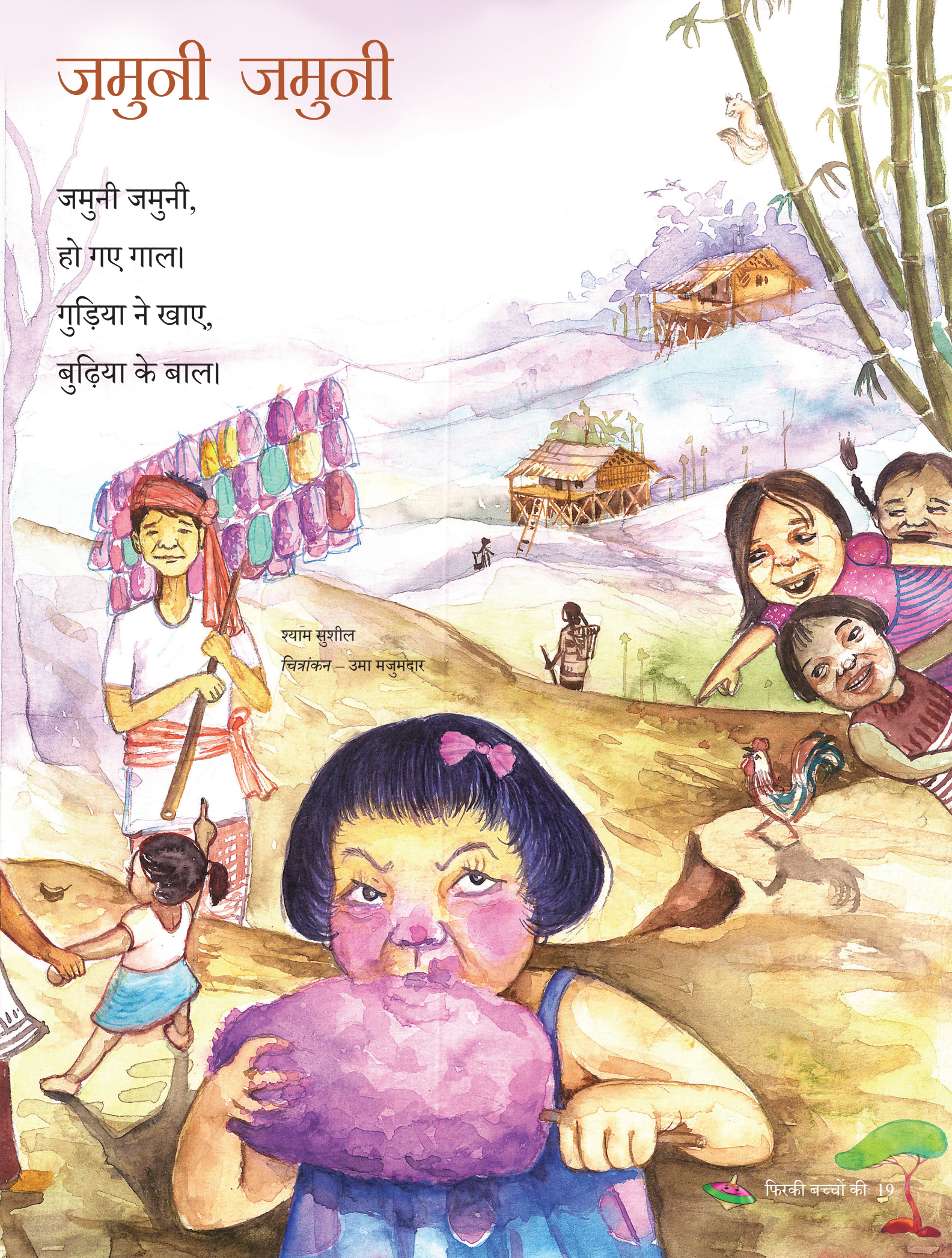

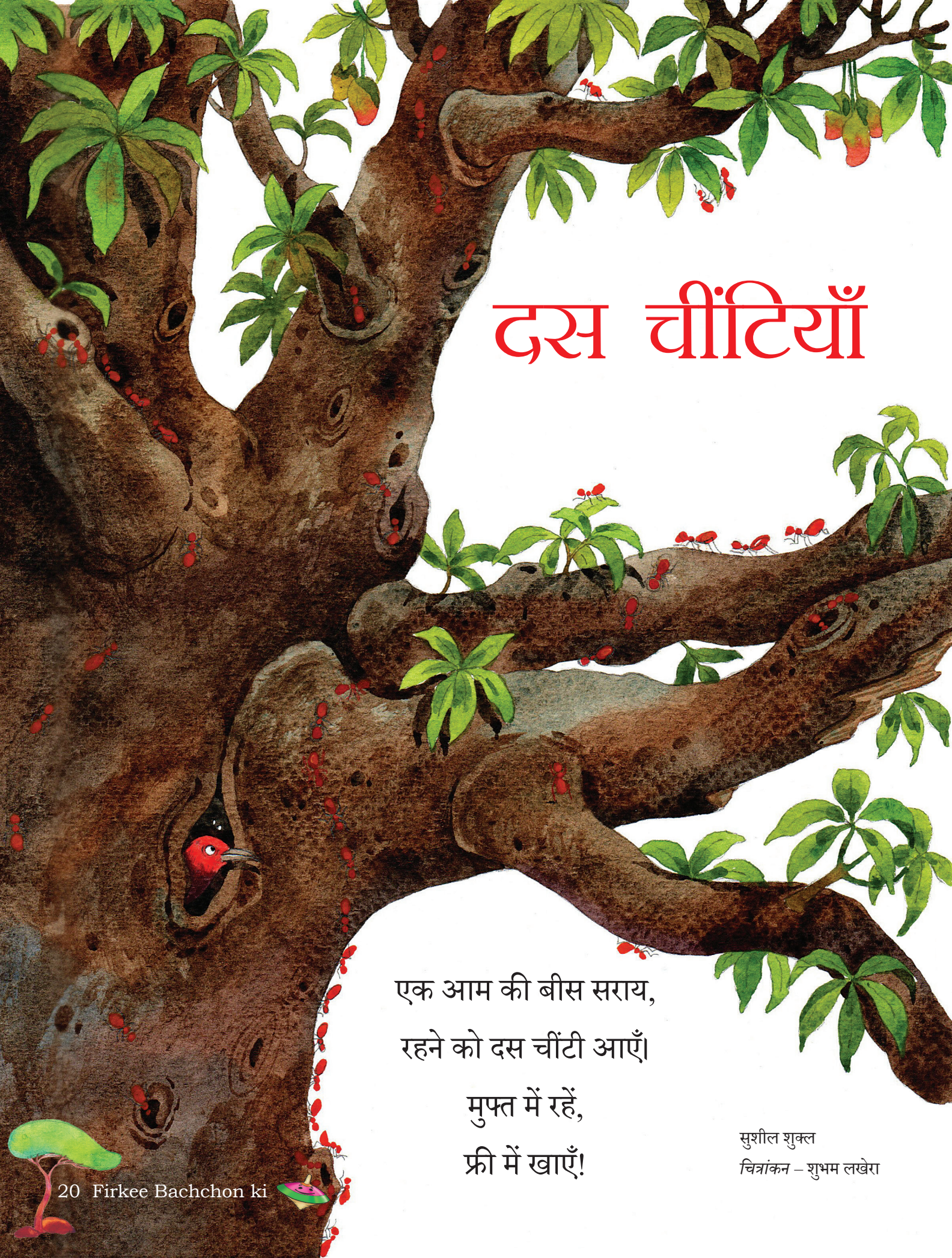

दस चींटियाँ

एक आम की बीस सराय,
रहने को दस चींटी आएँ।
मुफ्त में रहें,
फ्री में खाएँ!

सुशील शुक्ल
चित्रांकन – शुभम लखेरा

The Lion and the Mouse

One day a mouse and a lion were playing together. After a few hours, the mouse was tired but he kept playing. After two hours, the lion was also tired. They didn't tell each other. They were having fun.

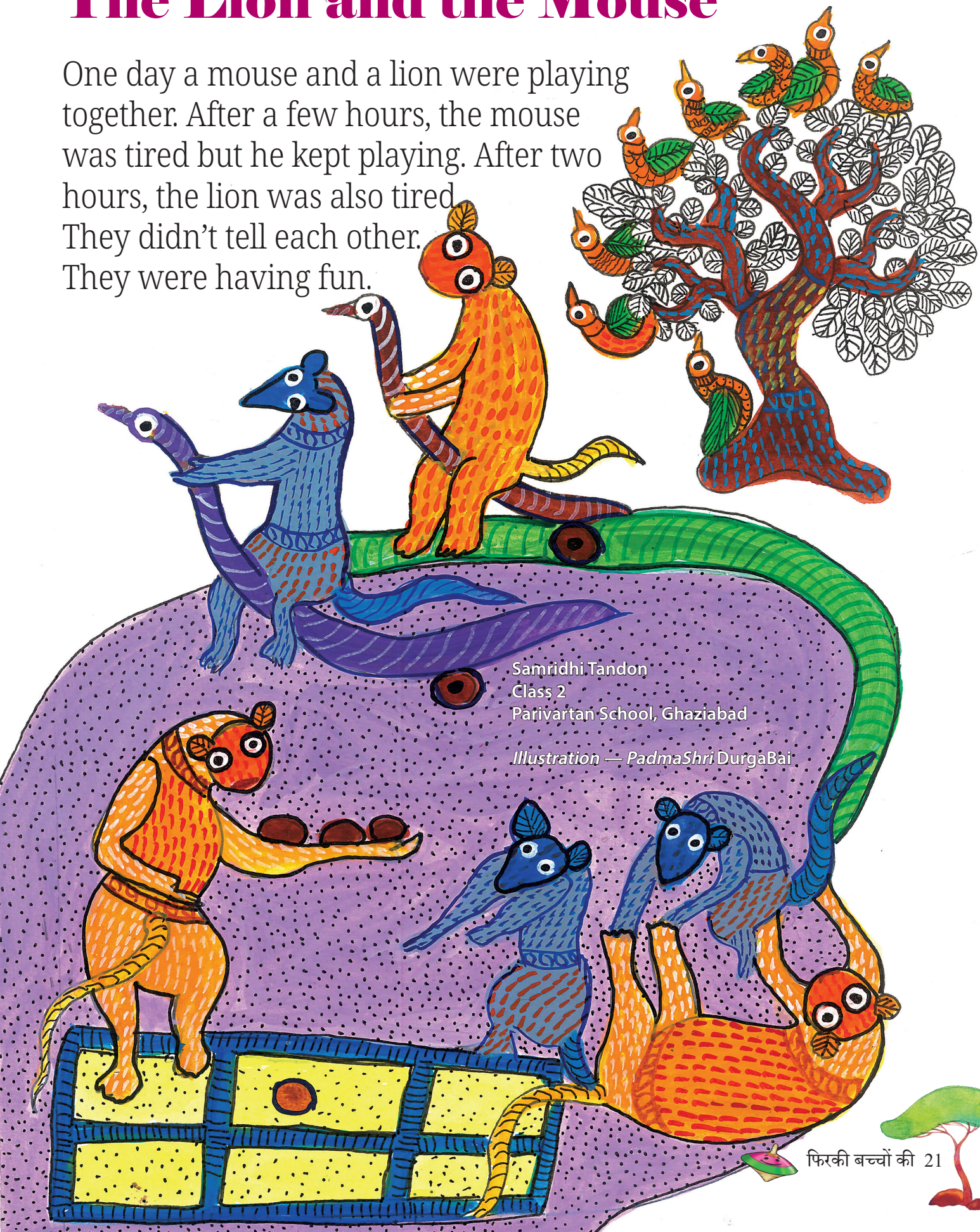

Samridhi Tandon
Class 2
Parivartan School, Ghaziabad

Illustration — PadmaShri DurgaBai

चिड़िया और बच्चे

अपनी कहानी बनाइए और हमें भेजिए।

चित्राकन – शशि शेट्ये

देखो, मैंने क्या बनाया!

ऋतु राज रॉय – कक्षा 2, केंद्रीय विद्यालय, कोकराझार, असम

जनवी – कक्षा 7, पननेमारा, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

सुहानी – कक्षा 3, एस. वि. इंगलिश मीडियम स्कूल, गांधीनगर, गुजरात

जागृति रामा – कक्षा 6, भामरगढ़, गढ़चिरौली, महाराष्ट्र

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग	:	अनूप कुमार राजपूत
मुख्य संपादक	:	श्वेता उप्पल
मुख्य उत्पादन अधिकारी	:	अरुण चितकारा
मुख्य व्यापार प्रबंधक	:	अमिताभ कुमार
उत्पादन अधिकारी	:	दीपक जैसवाल

सर्वाधिकार सुरक्षित

» प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

» इस दस्तावेज की आंशिक या समग्र रूप से समीक्षा, सारांश, पुनः उत्पादन अथवा अनुवाद किया जा सकता है लेकिन इसे न तो विक्रय के लिए और न ही किसी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उपयोग में लाया जाए।

» इस पत्रिका की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पत्रिका अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

संपादन मंडल

मूल संकल्पना	रीडिंग डेवलपमेंट सेल
शैक्षणिक संपादक	उषा शर्मा
संपादन मंडल	कीर्ति कपूर
	ज्योत्स्ना तिवारी
	मीनाक्षी खार
	श्वेता उप्पल
	संध्या सिंह
सहयोग	यशिका चावला
	मीनाक्षी
	योगेश प्रताप सिंह
साज-सज्जा	डिजिटल एक्स्प्रेशन्स

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें-

उषा शर्मा (शैक्षणिक संपादक)
कक्ष संख्या 307, तीसरी मंज़िल, जी. बी. पंत ब्लॉक
एन.सी.ई.आर.टी., श्री अरविंद मार्ग,
नई दिल्ली – 110016
दूरभाष – 011–26592293
ईमेल- firkeebachchonki.ncert@gmail.com

PD 2T SU

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2024

100 जी.एस.एम. आर्ट पेपर पर मुद्रित

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

www.ncertbooks.ncert.gov.in/portal
Registration no. DELBIL/2019.77753

ISSN 2582-8606

मक्खी

मक्खी तू कितनी लक्की है।
खच्चर की चाची है तू,
मच्छर की ताई है।
हर दुकान पर,
तेरे लिए तो,
फ्री की मिठाई है।
मक्खी तू कितनी लक्की है!

सुशील शुक्ल
चित्रांकन – धर्मेन्द्र मेवाड़